The Art Teacher - role, areas of activities, viz Environment, Participation in life, excursion of the place of Art.

कला - शिक्षक — शिक्षा एक त्रिध्रुवीय प्रक्रिया है जिसके शिक्षक, छात्र एवं पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण कारक हैं। कला शिक्षक एक कुशल निर्देशक होना चाहिए, जिसके लिए गहन अंतर्दृष्टि और कौशल की आवश्यकता है, क्योंकि उसे बालक की रुचि और आवश्यकता तथा सामाजिक प्रवृत्ति दोनों को ध्यान में रखकर बालक का निर्देशन करना होता है। कलात्मक अनुभव के निर्देशन हेतु शिक्षक में निम्नलिखित व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक गुण होने चाहिएँ —

(क) व्यक्तिगत गुण —

(1) बालकों के प्रति शिक्षक की अभिवृत्ति एक मित्र एवं साथी की होनी चाहिए। इससे छात्रों का शिक्षक में विश्वास बढ़ेगा और सहभागिता को प्रोत्साहन मिलेगा।

(2) शिक्षक को कला में रुचि होनी चाहिए, इससे एक रुचिकर वातावरण का सृजन होगा।

(3) शिक्षक को उत्साहपूर्ण होना चाहिए, क्योंकि एक उत्साही शिक्षक ही छात्रों को प्रेरित कर सकता है।

(4) शिक्षक को कल्पनाशील होना चाहिए। कल्पना का धनी सिक शिक्षक अधिक जिज्ञासु होगा और उसकी रुचि एवं लगन सर्वदा बनी रहेगी।

Scanned with CamScanner

(5) शिक्षक को भावात्मक और बौद्धिक रूप से परिपक्व होना चाहिए।

(ख) व्यावसायिक गुण —

(1) शिक्षक को द्वि - आयामी कार्य करने में पूर्णतः कुशल होना चाहिए।

(2) शिक्षक को रुपांकन का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए और उसकी पसंद संवेदनापूर्ण होनी चाहिए।

(3) शिक्षक को ऐतिहासिक कलात्मक प्रयासों की जानकारी होनी चाहिए।

(4) सिक शिक्षक को शिक्षण - कला की जानकारी होनी चाहिए।

(5) शिक्षक को कलात्मक अनुभव में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की विशेषताओं और सीमाओं की पूर्ण जानकारी होनी चाहिए।

शिक्षक के कार्य —

(1) - शिक्षण योजना का निर्माण ~~क~~ करना।

(2) प्रत्यक्षीकरण का अवसर प्रदान करना।

(3) बालकों की कलात्मक अभिवृत्ति को जानना।

(4) आलेखन की चेतना विकसित करना।

(5) प्रेरणा देना।

Scanned with CamScanner

(6) - सामग्री प्रदान करना।

(7) स्वतंत्र वातावरण प्रदान करना।

(8) छात्रों के ज्ञानों का अध्ययन करना।

(9) बालकों को सही निर्देशन देना।

(10) छात्रों के कार्यों में सहभागिता होना।

(11) प्रदर्शनियों, नाटकों एवं मेलों का आयोजन करना।

Scanned with CamScanner